हकेंवि में प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला 13 फरवरी से

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला का आयोजन 13 फरवरी से किया जाएगा। विवि में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ करेंगे।

प्रो. कुहाड़ का कहा कि दो दिवसीय यह कार्यशाला गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला का आयोजन हकेंवि के रजिस्ट्रार रामदत्त के नेतृत्व में किया जा रहा है। इसमें विवि के करीब 90 शिक्षणेत्तर कर्मचारी शामिल होंगे। डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में उच्च शिक्षा तथा मानवीय मूल्य, रजिस्टर तथा विभाग का रिकॉर्ड संरक्षित करना, फाइल रिकार्ड की सुरक्षा, परीक्षा संबंधी रिकार्ड संभालना, नोटिंग, ड्राफ्टिंग व सामग्री खरीदने की प्रक्रिया आदि से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

हकेंवि में प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला 13 से

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 13 फरवरी को दो दिवसीय प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ करेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने कहा कि दो दिवसीय यह कार्यशाला गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी और अवश्य ही इसके माध्यम से मिलने वाले ज्ञान का उपयोग कर्मचारी विश्वविद्यालय के विकास के लिए करेंगे। हकेंविवि में इस कार्यशाला का आयोजन हकेंविवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में रजिस्ट्रार रामदत्त के नेतृत्व में किया जा रहा है।

इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के करीब 90 कर्मचारी शामिल होने जा रहे हैं। डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। इन विषयों में उच्च शिक्षा, मानवीय मूल्य, रजिस्टर एवं विभाग का रिकॉर्ड संरक्षित करना, फाइल रिकॉर्ड की सुरक्षा, परीक्षा संबंधी रिकॉर्ड संभालना, नोटिंग, ड्राफिटंग, सामग्री खरीदने की प्रक्रिया आदि से संबंधित विश्व विद्यालय के नियम प्रमुख हैं।

कार्यशाला हकेंवि में में प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों के लिए कार्यशाला आयोजित, वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ बोले-

संस्थान की प्रगति को स्टाफ में प्रशासनिक समझ आवश्यक

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्रगति के लिए तीन महत्वपूर्ण पहलु जिम्मेदार हैं। पहला, वहां अध्ययनरत विद्यार्थी, दूसरा शिक्षक और तीसरे संस्थान को चलाने में अहम भूमिका अदा करने वाले शिक्षणेत्तर कर्मचारी इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों में प्रशासनिक समझ का होना बेहद जरूरी है। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग के अन्तर्गत प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला के शुभारंभ पर व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़. कार्यशाला का शुभारंभ करते मुख्यातिथि प्रो. आरपी दहिया व कुलपति प्रो. कुहाड़।

कुलपति ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मानवीय मूल्यों को भी काम के साथ-साथ ध्यान में रखने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इसके बिना आप बेहतर प्रशासन व्यवस्था का विकास नहीं कर सकते हैं। मुख्य अतिथि प्रो. आरपी दहिया, पूर्व कुलपति, दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, मुरथल, सोनीपत व पूर्व निदेशक एनआईटी जयपुर ने कहा कि बेहतर प्रशासनिक समझ के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशीलता भी कर्मचारियों में अनिवार्य है।

कार्यशाला के पहले दिन गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव डॉ. नितिन मलिक ने फाइल रिकॉर्ड मैनेजमेंट सिस्टम व परीक्षा संबंधी रिकॉर्ड व नियमों पर प्रकाश डाला। दिल्ली विवि के संयुक्त कुलसचिव एके प्रकाश ने वित्तीय प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं पर अपनी बात रखी। अंतिम सत्र में हकेंवि के रजिस्ट्रार रामदत्त ने नियम व अधिनियम के विषय में विस्तार से जानकारी दी। आयोजन के दौरान विवि के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. बीर सिंह, प्रॉक्टर प्रो. सतीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

सहायक कर्मचारियों के लिए कार्यशाला

नारनौल (निस) : किसी भी शैक्षणिक संस्थान के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में प्रशासनिक समझ का होना बेहद जरूरी है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने यह विचार विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग के अन्तर्गत प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला के शुभारम्भ पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों के बिना बेहतर प्रशासन व्यवस्था का विकास नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर.पी.दहिया, पूर्व कुलपति, दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, मुरथल, सोनीपत व पूर्व निदेशक एनआईटी, जयपुर ने भी कर्मचारियों को संबोधित किया।

हकेंवि में प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों के लिए कार्यशाला आयोजित

संस्थान की प्रगति के लिए आवश्यक है प्रशासनिक समझः आरसी कुहाड़

- मुख्य अतिथि प्रो. आरपी दहिया बोले कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्रगति के लिए तीन महत्वपूर्ण पहलू जिम्मेदार होते है। पहला वहां अध्ययनरत विद्यार्थी, दूसरा शिक्षक और तीसरे संस्थान को चलाने में अहम भूमिका अदा करने वाले शिक्षणेत्तर कर्मचारी। इसलिए इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों में प्रशासनिक समझ का होना बेहद जरूरी है।

यह बात हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के अंतर्गत प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला के शुभारम्भ पर कहीं। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मानवीय मूल्यों को भी काम के साथ-साथ ध्यान में रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसके बिना आप बेहतर प्रशासन व्यवस्था का विकास नहीं कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. आरपी दहिया, पूर्व कुलपति, दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय मुरथल सोनीपत व पूर्व निदेशक एनआईटी जयपुर ने अपने संबोधन में कहा कि बेहतर प्रशासनिक समझ के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशीलता भी कर्मचारियों में अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में सहायक कर्मचारी एक मजबूत स्तम्भ की भूमिका अदा करते है। यदि यह कमजोर होंगे तो मजबूत इमारत की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि आरपी दहिया व अन्य।

हकेंवि में आयोजित इस कार्यशाला के पहले दिन गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव डा. नितिन मलिक ने फाइल रिकॉर्ड मैनेजमेंट सिस्टम व परीक्षा संबंधी रिकॉर्ड व नियमों पर प्रकाश डाला। इसी कड़ी में दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एके प्रकाश ने वित्तीय प्रक्रिया से जुडे.पहलुओं पर अपनी बात रखी और पहले दिन के अंतिम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रामदत्त ने नियम व अधिनियम के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के दूसरे दिन बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव डा. विकास गुप्ता, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. भगवान सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव कर्मचारियों के समक्ष विभिन्न कार्यालय संबंधी पहलुओं पर अपना वक्तव्य देंगे। पीएमएमएमएनएमटीटी की प्रोजेक्ट प्रमुख डा. सारिका शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों को दक्ष बनाना है। इस मौके पर छात्र कल्याण डा. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार आदि मौजूद थे।

लोगों में प्रशासनिक समझ का होना बेहद जरूरी : प्रो. कुहाड़

■ ह.कें.वि. में प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों के लिए कार्यशाला आयोजित

कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते शुभारंभ करते हुए गण्यमान्यजन। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 13 फरवरी (मोहन/परमजीत): किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्रगति के लिए 3 महत्वपूर्ण पहलू जिम्मेदार होते हैं। पहला वहां अध्ययनरत विद्यार्थी, दूसरा शिक्षक और तीसरे संस्थान को चलाने में अहम भूमिका अदा करने वाले शिक्षणोत्तर कर्मचारी। इसलिए इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों में प्रशासनिक समझ का होना बेहद जरूरी है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने अपने यह विचार विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पं. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग (पी.एम.एम.एम.एन. एम.टी.टी.) के अन्तर्गत प्रशासनिक सहायक कर्मचारी कार्यशाला के शुभारम्भ पर व्यक्त किए।

उन्होंने मानवीय मूल्यों को भी काम के साथ-साथ ध्यान में रखने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इसके बिना आप बेहतर प्रशासन व्यवस्था का विकास नहीं कर सकते हैं। मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. दहिया, पूर्व कुलपति, दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, मुरथल, सोनीपत व पूर्व निदेशक एन.आई.टी., जयपुर ने कहा कि बेहतर प्रशासनिक समझ के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशीलता भी कर्मचारियों में अनिवार्य है।

ह.कें.वि. में आयोजित इस कार्यशाला के पहले दिन गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव डा. नितिन मलिक ने फाइल रिकॉर्ड मैनेजमैंट सिस्टम व परीक्षा संबंधी रिकॉर्ड व नियमों पर प्रकाश डाला। इसी कड़ी में दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव ए.के. प्रकाश ने वित्तीय प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं पर अपनी बात रखी और पहले दिन के अंतिम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रामदत्त ने नियम व अधिनियम के विषय में विस्तार से जानकारी दी। डा. सारिका शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों को दक्ष बनाना है। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डा. बीर सिंह व प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 14 February 2018
epaper.punjabkesari.in//c/26238449

संस्थान के विकास के लिए आपसी भागीदारी जरूरी

- प्रशासनिक एवं सहायक कर्मचारी कार्यशाला के समापन में बोले प्रो. आरसी कुहाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

कोई भी संस्थान एक ही दिन में प्रतिष्ठित संस्थान के तौर पर ख्याति प्राप्त नहीं कर लेती है। इसके लिए वर्षों की मेहनत लगती है। किसी भी संस्थान को प्रतिष्ठित संस्थान के तौर पर स्थापित करने के लिए जरूरी है कि उससे जुड़े सभी सहभागी मिलकर आपसी भागीदारी के साथ काम करें। यह बात हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने बुधवार को विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय प्रशासनिक एवं सहायक कर्मचारी कार्यशाला के समापन सत्र में व्यक्त किए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल मुख्य अतिथि थे। कुलपति ने कार्यशाला समापन सत्र में अपने संबोधन में कहा कि हमें विदेशों से सीख लेते हुए कार्यालयों में मिलकर काम करने की आदत विकसित करने की जरूरत है। विदेशों में कोई भी काम किसी एक व्यक्ति विशेष की उपलब्धता पर निर्भर नहीं करता है। इससे पूर्व दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव डा. विकास गुप्ता, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के प्रो. भगवान सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने प्रतिभागियों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा.बीरसिंह, डा.नवल किशोर व डा. सारिका शर्मा आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हकेंविवि के कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़। फोटो : हरिभूमि

संस्थान के विकास के लिए आपसी भागीदारी जरूरी : प्रो. आरसी कुहाड़

महेंद्रगढ़. जिले के एसपी कमलदीप गोयल को स्मृति चिह्न देते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़

महेंद्रगढ़ | कोई भी संस्थान एक ही दिन में प्रतिष्ठित संस्थान के तौर पर ख्याति प्राप्त नहीं कर लेता है। इसके लिए वर्षों की मेहनत लगती है। इसके लिए जरूरी है कि उससे जुड़े सभी सहभागी मिलकर आपसी भागीदारी के साथ काम करें। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बुधवार को दो दिवसीय प्रशासनिक एवं सहायक कर्मचारी कार्यशाला के समापन सत्र में व्यक्त किए। महेंद्रगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यशाला समापन सत्र में कहा कि हमें विदेशों से सीख लेते हुए कार्यालयों में मिलकर काम करने की आदत विकसित करने की जरूरत है। मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि यदि आप सफलता के साथ किसी भी कार्य को पूर्ण करना चाहते हैं तो जरूरी है कि उसके लिए हर संभव प्रयास करें। यदि आपकी तैयारी पूरी है तो परिणाम भी अच्छा ही मिलेगा। इससे पूर्व दिल्ली विवि के संयुक्त कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्रो. भगवान सिंह और हकेंवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने प्रतिभागियों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी दी। विवि के रजिस्ट्रार रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, डॉ. नवल किशोर व पीएमएमएमएनएमटीटी की प्रोजेक्ट प्रमुख डॉ. सारिका शर्मा आदि उपस्थित रहे।